सांध्य दैनिक

4PM

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
–नेपोलियन बोनापार्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 70 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 अप्रैल, 2025

लखनऊ के खिलाफ वापसी करना चाहेगी... 7 | बीजेपी को टक्कर देने के लिए... 3 | गुण्डों और उपद्रवियों को भाजपा... 2

अम्बेडकर की विरासत पर कब्जे की लड़ाई!

'बाबा साहब' की जयंती पर गरजे अखिलेश यादव

» कहा, यह वहीं लोग है जिन्होंने सदियों तक अत्याचार किया

» पूरे देश में भव्यता के साथ मनाई गयी अम्बेडकर जयंती

» राष्ट्रीय अवकाश भी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज पूरे देश में अम्बेडकर जयंती धूम–धाम से मनाई गयी। कहीं रैली निकली तो कहीं दौड़ का आयोजन किया गया। पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश घोषित हुआ और अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलने की कसम खायी गयी। अम्बेडकर की जयंती के कई सियासी मायने निकाले गये और सवाल यही उठा कि किसके अम्बेडकर?

अम्बेडकर जयंती के अवसर पर, कई प्रमुख नेता संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर एकत्र हुए और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू आदि शामिल थे। बात विपक्षी नेताओं की करें तो उनमें मायावती हो या स्टलिन, अखिलेश यादव हो या फिर राहुल गांधी सभी ने बीजेपी पर अम्बेडकर के संविधान को खत्म करने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साफ कर दिया कि जबतक देश में संविधान है तबतक पीडीए सुरक्षित हैं।

अम्बेडकर जयंती

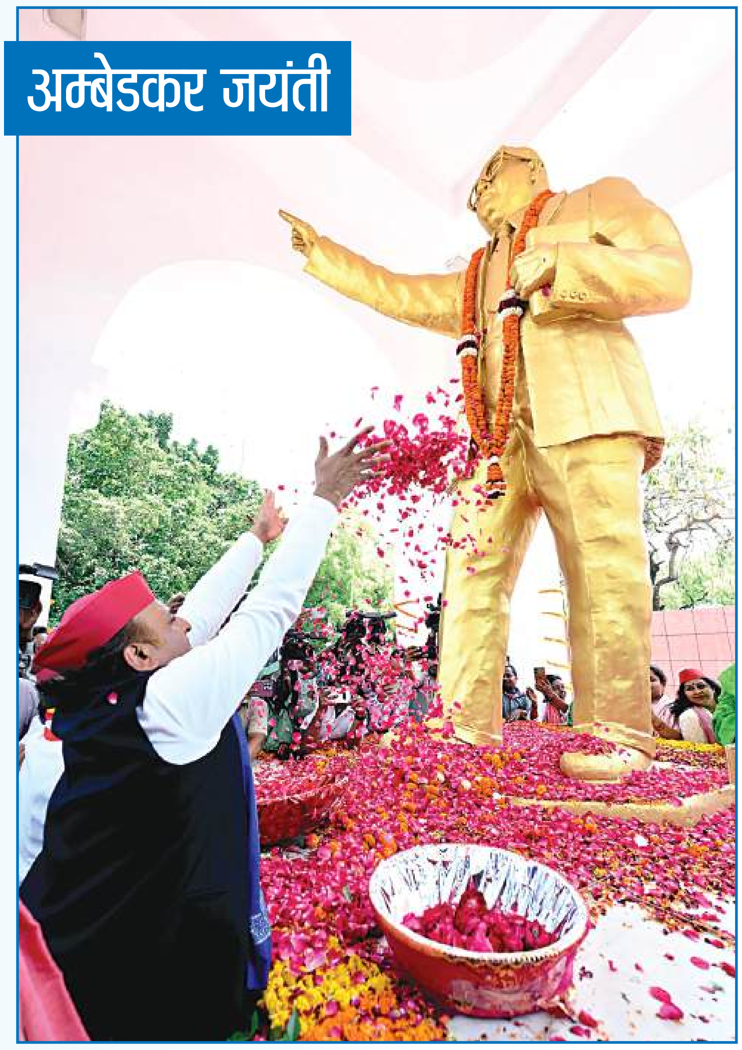

अखिलेश का वार, बीजेपी बेकरार

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अम्बेडकर जयंती पर बड़ा वार किया है। उन्होंने बिना नाम लिये कहा है कि यह वही लोग है जो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी को नहीं मानते हैं। जो संविधान, लोकतंत्र को नहीं मानते। यह तमाम प्रबुद्धवादी वह लोग हैं जिन्होंने सदियों से शोषण किया है। आज के दिन जब बाबा साहब को हम लोग याद कर रहे हैं तो यह संकल्प लेते हैं कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए हम लोग काम करेंगे। उन्होंने कहा कि संविधान ही संजीवनी है और संविधान ही ढाल है और जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा तब तक हम सबका मान–सम्मान–स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा। सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण को बचाएगी पीडीए की एकजुटता ही सुनहरा भविष्य बनाएगी।

सरकारी सम्मान, विपक्षी राजनीति

मोदी सरकार अम्बेडकर को बार–बार राष्ट्र निर्माता बताकर उन्हें राष्ट्रवादी विमर्श में समाहित करने की कोशिश कर रही है। अम्बेडकर मेमोरियल, पंचतीर्थ योजना, संसद में उनकी तस्वीरें, हर योजना में उनका नाम यह सब दर्शाता है कि भाजपा अम्बेडकर के नाम पर दलितों और पिछड़ों तक पहुंच बनाने की रणनीति में लगी है। बात अगर विपक्षी राजनीति की करें तो सपा ने बीजेपी को इस मुददे पर बड़ा डेंड लगाया है। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 62 सीटें जीती थीं,

लेकिन 2024 के चुनावों में समाजवादी पार्टी ने पिछड़े वर्गों को साधते हुए भाजपा को धूल चटा दी खासकर यादव और कुछ गैर–यादव पिछड़े तबकों के वोटों के बिखराव को रोकने में सपा ने सफलता पायी। सपा 2024 इसी रणनीति को आगे बढ़ा रही है। दलित–पिछड़ा–मुस्लिम गठबंधन। यह मॉडल 2018 के उपचुनावों में सफल हुआ था और 2019 में भले ही महागठबंधन ज्यादा नहीं चला, लेकिन 2024 में सपा ने अम्बेडकर को सामाजिक क्रांति के प्रतीक के रूप में फिर से प्रस्तुत किया था।

मायावती मौन, अब कौन?

बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती अब भी दलित राजनीति की सबसे बड़ी पहचान हैं। लेकिन हाल के वर्षों में उनकी सक्रियता घटी है। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन किया था और उसे 10 सीटें मिली थीं, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी मात्र 1 सीट पर सिमट गई। दलित वोटरों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा और सपा में बंट गया। 2024 से मायावती का राजनीतिक स्टैंड अब तक स्पष्ट नहीं है। उन्होंने किसी गठबंधन में जाने से इंकार किया है। उनकी एकला चलो नीति के चलते दलित वोटों में ?बिखराव सीधे तौर पर बीजेपी को फायदा पहुंचता है।

मजबूती के साथ चिपक गया पीडीए नारा

सपा का पीडीए नारा बीजेपी पर ऐसा चिपका की उखड़ ही नहीं रहा है। तमाम सर्वे और रिसर्च के बाद बीजेपी ने भी यही माना कि वह सपा के पीडीए नारे का सही प्रकार से जवाब नहीं दे पाई और यूपी की जनता भ्रम का शिकार हो गयी। सपा बीजेपी पर संविधान को खत्म कर मनु स्मृति लागू करने का आरोप लगाती है। वह अपने आरोप में तत्थयात्मक आंकड़े भी पेश करती है। बीजेपी सपा के इस आरोप से डरी हुई है और वह इस पीडीए नारे के जवाब के लिए तैयारियों में जुटी है। बीजेपी ने तमाम छोटे बड़े, नेताओं को अपने पाले में कर लिया और अपनी पार्टी के इन जातियों के नेताओं को आगे कर रही हैं।

संसद के सेंट्रल हॉल में पीएम के न पहुंचने पर कांग्रेस ने घेरा

इससे पहले अम्बेडकर जयंती के मौके पर तमाम पक्ष-विपक्ष के नेता संसद भवन पहुंचे। लेकिन इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी मौजूद नहीं थे। इसे लेकर भी कांग्रेस ने पीएम पर निशाना साधा। एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस ने लिखा, क्या प्रधानमंत्री के पास इतना वक्त नहीं था कि वो संसद के सेंट्रल हॉल में आकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दे सकें? ये वही सेंट्रल हॉल है जहां भारत के संविधान को अपनाया गया था।

गुण्डों और उपद्रवियों को भाजपा सरकार का संरक्षण : अखिलेश

» सड़कों पर खुलेआम तलवारें और असलहें लहराये जा रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में अराजकता चरम पर है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। गुण्डों और उपद्रवियों को सरकार का संरक्षण है। अपराधियों में पुलिस-प्रशासन और कानून का कोई डर नहीं है। सड़कों पर खुलेआम तलवारें और असलहें लहराये जा रहे हैं। गोली मारने की धमकियां दी जा रही है। आखिर पूरी सरकार और पुलिस प्रशासन ने चुप्पी क्यों साध रखी है?

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में पहली बार सड़कों पर ऐसी अराजकता देखी जा रही है। आगरा से लेकर बनारस तक सत्ता संरक्षण में अराजक तत्वों ने तांडव किया। सत्ता के दबाव में पुलिस बेबस है। पूरा पीडीए परिवार देख रहा है कि सामंतवादी ताकते सत्ता के संरक्षण में नंगा नाच कर रही है। भाजपा के इशारे पर पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों की आवाज दबाने के लिए डराना चाहती है। वाराणसी में समाजवादी पार्टी के जुझारू और प्रखर वक्ता बनारस वाले मिश्रा जी के नाम से लोकप्रिय हरीश मिश्रा पर चाकू से कातिलाना हमला निन्दनीय है। उनके रक्तरंजित वस्त्र ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था की निशानी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस-प्रशासन अराजक तत्वों को बढ़ावा दे रहा है वहीं गरीबो, शोषितों, वंचितों और पीडीए को हर तरह से प्रताड़ित और अपमानित कर रहा है।

देश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता ऐसे हमलों को झेलने की शक्ति रखता है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कानून व्यवस्था संभालने और अपराध रोकने पर फेल हो चुकी है। प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था और अपराध पर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। प्रदेश में हो रही घटनाएं पुलिस की कार्यप्रणाली को देखकर सुप्रीमकोर्ट भी प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा चुका है।

आकाश को एक और मौका देंगी मायावती

» भतीजे के माफी मांगने के बाद नर्म हुई बसपा प्रमुख

» कहा- मेरे उत्तराधिकारी नहीं सिर्फ पार्टी में वापसी हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने पार्टी अध्यक्ष मायावती से माफी मांगी। साथ ही पार्टी से वापस लेने की गुहार भी लगाई। जिसके बाद बसपा सुप्रीमो ने उन्हें दोबारा मौका देने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने अपने जीते-जी किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाने की बात भी की।

उन्होंने कहा कि आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां अक्षम्य हैं। उन्होंने गुटबाजी आदि जैसी घोर पार्टी विरोधी गतिविधियों के साथ-साथ आकाश के कैरियर को भी बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसलिए उनको माफ करने व पार्टी में वापस लेने का सवाल ही नहीं पैदा होता है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आकाश आनंद द्वारा आज सार्वजनिक तौर पर अपनी गलतियों को मानने, वरिष्ठों को पूरा आदर-सम्मान देने, भविष्य में अपने ससुर की बातों में नहीं आने तथा पार्टी व मूवमेंट के लिए जीवन समर्पित करने के मद्देनजर इन्हें एक और मौका दिए जाने का निर्णय लिया गया है। पार्टी से निष्कासन के बाद आकाश अपनी तमाम गलतियों के लिए माफी मांगने व आगे ऐसी गलती नहीं करने को लेकर लोगों से लगातार संपर्क करता रहा है।

आज उसने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलतियों को मानते हुए अपने ससुर की बातों में अब आगे नहीं आने का संकल्प किया है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि वैसे अभी मैं स्वस्थ हूं। जब तक पूरी तरह से स्वस्थ रहूंगी, कांशीराम की तरह पार्टी व मूवमेंट के लिए पूरे जी-जान व तन्मयता से समर्पित रहकर कार्य करती रहूंगी। ऐसे में मेरे उत्तराधिकारी बनाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। मैं अपने निर्णय पर अटल रहूंगी।

मैं बसपा अध्यक्ष को दिल से अपना आदर्श मानता हूं : आकाश

आकाश आनंद ने सोशल मीडिया पर जारी अपने माफीनामे में कहा कि मैं बसपा अध्यक्ष मायावती को दिल से अपना एकमात्र राजनीतिक गुरु व आदर्श मानता हूं। आज मैं यह प्रण लेता हूं कि पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों को, खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा। यही नहीं, बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं, जिसकी वजह से मुझे पार्टी से निकाला गया था। मैं आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा। सिर्फ बसपा अध्यक्ष के दिशा-निर्देशों का ही पालन करूंगा। पार्टी में अपने से बड़ों और पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करूंगा और उनके अनुभवों से भी सीखूंगा। उन्होंने मायावती से सभी गलतियों को माफ करके दोबारा पार्टी में कार्य करने का मौका देने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा। साथ ही, अब मैं आगे ऐसी कोई भी गलती नहीं करूंगा, जिससे पार्टी व मायावती के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान को ठेस पहुंचे।

मैच्योर नहीं आकाश : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर करने पर कहा था कि अभी तक वह राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हुए हैं। अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है। मेरे लिए पार्टी व मूवमेंट पहले है, भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं। वहीं अशोक सिद्धार्थ को लेकर कहा था कि उन्होंने यूपी सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो बर्दाश्त करने लायक नहीं है।

मैं हिंसा का समर्थक नहीं हूं : इमरान

कांग्रेस सांसद ने एक घंटे में इलाज कर देंगे बयान पर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश स्थित सहारनपुर में लोकसभा सांसद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता इमरान मसूद ने अपने बयान को लेकर सफाई दी है। एक घंटे में इलाज कर देंगे वाले बयान को लेकर मसूद ने कहा कि वह महज एक जुमला था। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं हिंसा का समर्थक नहीं हूं। वक्फ कानून को लेकर मेरी याचिका, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल है। जिस पर कल (15 अप्रैल को) सुनवाई है। मुझे पूरा भरोसा है कि कोर्ट हमारी सुनेगी और न्याय करेगी।

सांसद ने कहा कि हम लोग संविधान को मानने वाले लोग हैं। अदालत का जो भी फैसला होगा उसका सम्मान करने वाले लोग हैं। मैं अभी भी कह रहा हूं कि जब हम सरकार में आएंगे इस कानून को खत्म करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन के बयान (15 मिनट वाले) से सहमत नहीं हूं। मैंने जो बात कही है, उसके अंदर न कोई चेतावनी है, न कोई धमकी है। वह सिर्फ एक जुमले की तरह है, लोकतंत्र के भीतर हम हिंसा के हामी नहीं हैं। बता दें हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान मसूद ने कहा था कि दुआ करिए कि हम लोग आ जाएं। समंदर में तूफान बहुत है और जब तूफान हो तो उसका सामना बड़ा जहाज करता है कश्तियां नहीं कर पातीं। इसलिए आपसे कहना चाहता हूं ये कश्तियों की सवारी छोड़ कर जहाज की सवारी की तैयारी करिए.बस एक ही रास्ता है कोई और रास्ता नहीं है. और ये वादा आपसे करना चाहता हूं कि जिस दिन आ जाएंगे उस दिन घंटे भर के अंदर इसका इलाज भी करना जानते हैं।

सऊदी अरब सरकार से बात करे केंद्र : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि सऊदी अरब से आ रही रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि भारत के हज कोटे में अचानक कटौती कर दी गई है तथा उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे को सऊदी अरब के समक्ष उठाए। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी इस मुद्दे को उठाया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सऊदी अरब से परेशान करने वाली खबर आ रही है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के निजी हज कोटे में से 80 प्रतिशत में अचानक कटौती कर दी गई है। इस फैसले से देश भर के हज यात्रियों और टूर ऑपरेटर को काफी परेशानी हो रही है। हालांकि, इस मामले पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। कांग्रेस महासचिव सैयद नासिर हुसैन ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 52,000 भारतीय हज यात्रियों के हज 'स्लॉट' भुगतान के बावजूद रद्द कर दिए गए।

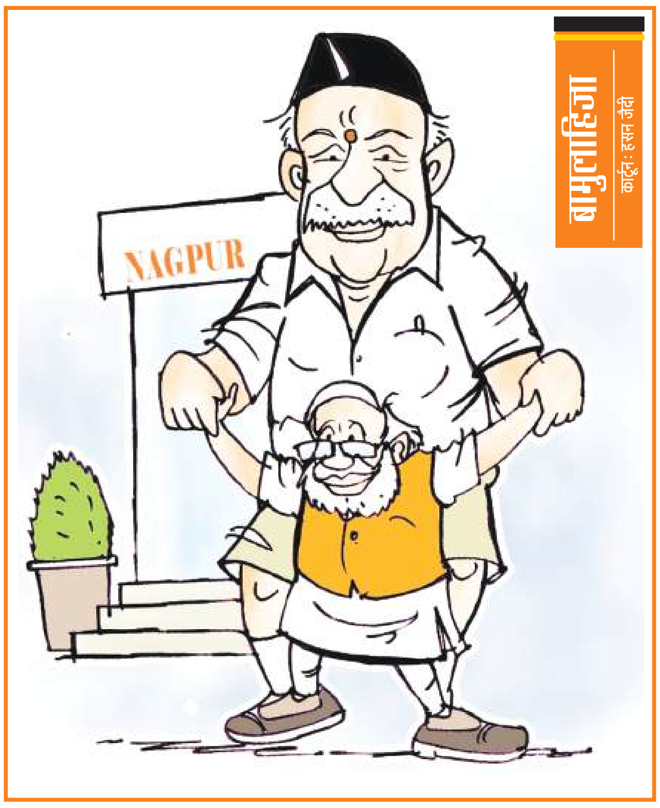

रेखा गुप्ता 'रबर स्टांप सीएम' : भारद्वाज

» लोकतंत्र का मजाक बना रही आप : सचदेवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ''रबर स्टांप सीएम'' करार देते हुए आरोप लगाया कि उनके पति आधिकारिक बैठकों में भाग ले रहे हैं। इस पर, भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल के दौरान सरकारी अधिकारी उनकी पत्नी सुनीता को ''मैडम सीएम'' कहते थे।

विवाद शनिवार को शुरू हुआ, जब नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग और डीयूएसआईबी (दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक आधिकारिक बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता की मौजूदगी का आरोप लगाया। दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने हमला जारी रखते हुए दावा किया कि रेखा गुप्ता 'रबर स्टांप सीएम' हैं और भाजपा के इस फैसले को ''लोकतंत्र का मजाक'' करार दिया। भारद्वाज ने कहा, ''केवल वही व्यक्ति निर्देश जारी कर सकता है जिसने संवैधानिक शपथ ली हो। उनके (रेखा गुप्ता) पति किस पद पर हैं?'' भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चर्चा के दौरान परिवार के सदस्यों का मौजूद रहना कोई असामान्य या गैरकानूनी बात नहीं है।

बीजेपी को टक्कर देने के लिए कांग्रेस का प्लान तैयार

राहुल गांधी ने बनाई अचूक रणनीति

- बीजेपी को देगी कड़ी टक्कर
- सद्भावना से राष्ट्रवाद तक खींचा खाका
- मोदी-शाह की उड़ी नींद

संजीव पाठक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात में कांग्रेस के अधिवेशन में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है। कांग्रेस ने आरक्षण पर मजबूत रुख अपनाया है और बीजेपी के छद्म राष्ट्रवाद की आलोचना की है, यह अधिवेशन पार्टी के पुनरुत्थान का प्रतीक है। बीजेपी से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने खाका तैयार कर लिया है। गुजरात के अहमदाबाद में चल रहे अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी सीडब्ल्यूसी की बैठक में पार्टी के भविष्य की दिशा तय कर ली गई है।

कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने और बीजेपी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के साथ-साथ सामाजिक न्याय से लेकर सामाजिक सद्भावना और राष्ट्रवाद के एजेंडा पर आगे बढ़ने की प्लानिंग की है। जिसे साबरमती तट पर आज अमलीजामा पहनाया जाएगा। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस ने देश के प्रजातंत्र और संविधान की रक्षा के लिए 'न्याय पथ' पर चलने का संकल्प लिया। कांग्रेस ने बीजेपी की निंदा करने के अपने रीति-रिवाजों से आगे बढ़ने के भी संकेत दिए हैं, महात्मा गांधी की विचारधारा के साथ सरदार पटेल की विरासत के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। कांग्रेस की बुधवार को होने वाली बैठक में अपनाए जाने वाले प्रस्ताव पर मंगलवार को सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में चर्चा की गई।

भाजपा को झूठा करार देने की कवायद

कांग्रेस ने सरदार पटेल और नेहरू के रिश्तों को एक सूत्र में पिरोकर बीजेपी को झूठा करार देने की कवायद की है। जयराम रमेश ने कहा कि जो लोग सरदार पटेल और नेहरू के रिश्तों के बारे में झूठ फैलाते हैं कि वो एक दूसरे के विरोधी थे जबकि सच्चाई यह है। कि वो एक ही सिक्के के दो पहलू थे। कई घटनाएं और दस्तावेज उनके सौहार्दपूर्ण संबंधों के गवाह हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस के लिए राष्ट्रवाद का विचार लोगों को एक साथ बांधता है। जबकि बीजेपी-आरएसएस का 'छद्म राष्ट्रवाद' देश और लोगों को विभाजित करना चाहता है। बीजेपी-आरएसएस का राष्ट्रवाद मॉडल भारत की विविधता को मिटाने के उद्देश्य से है। सीडब्ल्यूसी की बैठक में राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय की दिशा में बढ़ने का संकेत दिया है और उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस ओबीसी वर्ग तक पहुंचने से पीछे नहीं हटेगी। और मुसलमानों से जुड़े हुए मुद्दों पर भी खुलकर बोलने की वकालत की है। राहुल गांधी ने जोरदार ढंग से तर्क दिया कि पार्टी को अन्य पिछड़ा वर्ग तक अपनी पहुंच बढ़ानी होगी और उन्हें उनके हितों की रक्षा करने से पीछे नहीं हटना चाहिए और उन्होंने कहा कि पार्टी को निजी क्षेत्र में वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की मांग करनी चाहिए।

पटेल की विरासत को हासिल करने की कोशिश

बता दें कि कांग्रेस ने राष्ट्रवाद और सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को हासिल करने की कोशिश की है। कांग्रेस साथ जुड़े रहे स्वतंत्रता आंदोलन के प्रतीकों को भी अपनाती हुई नजर आ रही। सीडब्ल्यूसी की बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल को आजादी का झंडाबरदार बताते हुए उन पर एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें कहा गया कि कांग्रेस सरदार पटेल के आदर्शों और सिद्धांतों के मार्ग पर चलते हुए लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई को जारी रखेगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि सरदार पटेल की राह पर चलकर कांग्रेस किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष के लिए और 'नफरत छोड़ो-भारत जोड़ो' की डगर पर बढ़ने को तैयार है।

सरदार पटेल और जवाहर लाल नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता थे : जयराम

आपको बता दें कि कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की यात्रा में यह एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि इस वर्ष महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की 100वीं वर्षगांठ और सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई जा रही है, कांग्रेस का

गुजरात के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। क्योंकि स्वतंत्रता संग्राम के बीज यहीं पर पोषित हुए थे, साथ ही जयराम रमेश ने कहा कि सरदार पटेल और जवाहर लाल नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता थे और उन्होंने गांधी जी नेतृत्व में देश की आज़ादी की लड़ाई लड़ी। इन दोनों नेताओं का देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा है।

दादी की कही बात का सुनाया संस्मरण

आपको बता दें कि राहुल गांधी ने कहा कि उस टाइम जब पत्रकार ने ये कहा तो मुझे एक बात याद आई, मैं छोटा सा बच्चा था मैंने इंदिरा गांधी जी से ये सवाल पूछा कि दादी मरने के बाद आपके बारे में लोगों को क्या कहना चाहिए। उन्होंने जवाब दिया था। राहुल, मैं अपना काम करती हूं, मरने के बाद लोग क्या सोचे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है मुझे अपने काम से लगाव है। पूरी दुनिया मुझे भूल जाए तो भी मंजूर है। यही मेरा भी मानना है। सच्चाई क्या है और मुझे क्या करना है, मैं वही करना चाहता हूं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि तेलंगाना में हमने जाति जनगणना का क्रांतिकारी कदम उठाया। मैंने संसद में मोदी जी से कहा कि आप जाति जनगणना कराइए। देश को पता चलना चाहिए कि इस देश में दलित कितने हैं। पिछड़ा वर्ग कितना है, गरीब और अल्पसंख्यक कितने हैं मैं सिर्फ जाति जनगणना के पीछे नहीं मुझे ये पता लगाना था कि इस देश में किसकी कितनी भागीदारी है। हमें देश का एक्स-रे करके पता लगाना चाहिए कि दलित,आदिवासी जो धूप में काम करते हैं क्या सच में ये देश उनकी इज्जत करता है। मोदी जी और आरएसएस ने साफ कह दिया कि हम ये नहीं करेंगे और उन्होंने कहा कि हम लोगों को नहीं बताना चाहते हैं कि उनको कितनी भागीदारी मिलती है।

प्रधानमंत्री मोदी पर भी बरसे

वहीं बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बोलते रहे लेकिन मोदी जी चुप रहे, नरेंद्र मोदी सीधा मत्था टेक देते हैं, आजादी के लिए हम सिर्फ अंग्रेजों से नहीं लड़े थे। हम अंग्रेजों के साथ ही आरएसएस से भी लड़े थे। आरएसएस की विचारधारा स्वतंत्रता संग्राम की विचारधारा नहीं है आरएसएस ने रामलीला मैदान में इस संविधान को जलाया था। इस संविधान में लिखा है कि हमारा झंडा तिरंगा होगा। आरएसएस ने इस तिरंगे को सलाम तक नहीं किया। ये लोग लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। ये सरकार अडानी-अंबानी को पूरा धन देना चाहती है।

राहुल गांधी ने दोहराई जाति जनगणना की मांग

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर जाति जनगणना की बात दोहराई और उन्होंने कहा कि हमें देश का एक्स-रे करके पता लगाना चाहिए कि वो दलित, गरीब, पिछड़े और आदिवासी जो धूप में काम करते हैं, क्या सच में ये देश उनकी इज्जत करता है। हमने संसद में भी जाति जनगणना की मांग की। लेकिन मोदी जी और आरएसएस ने साफ कह दिया कि हम ये नहीं करेंगे। ये सरकार लोगों को ये नहीं बताना चाहती है कि किसकी-कितनी भागीदारी है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 100 साल पहले गांधी जी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बने थे। 150 साल पहले सरदार

पटेल जी इस धरती पर पैदा हुए थे। गांधी जी और सरदार पटेल जी कांग्रेस पार्टी के फाउंडेशन हैं। भाषण का मेरा एक प्लान था। मगर अजय लल्लू जी ने कुछ कह दिया है तो मेरा प्लान डायवर्ट हो गया है, उन्होंने कहा कि मैं पिछड़ो, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहा हूं, ये सच है, मगर उन्होंने बात जोड़ी कि आने वाले समय में लोग मेरा नाम याद करेंगे जैसे ही ये शब्द उनके मुंह से निकले मुझे एक बात याद आई। कुछ साल पहले एक पत्रकार मुझसे मिलने आए। देश के वो जाने-माने पत्रकार हैं और उन्होंने मुझसे बोला कि वो मुशर्रफ या नवाज शरीफ के दोस्त थे। उन्होंने बताया कि मुशर्रफ या शरीफ से कहा था कि आप भारत और पाकिस्तान के बीच शांति लाएंगे तो पूरी दुनिया आपका नाम याद करेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

इन हादसों का जिम्मेदार कौन!

> राजकोट अग्निकांड पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान गुजरात हाईकोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई. सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा राजकोट गेम ज़ोन अनधिकृत परिसर में था। इसे सरकारी नियमानुसार नियमित करने की मंजूरी मांगी गई थी। अब हमें स्थानीय व्यवस्था और राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है।

गर्मी बढ़ते ही इससे जुड़े हादसों की बाढ़ आ जाती है। पर जो घटनाएं लापरवाही की वजह से होती हैं उनका क्या। सबसे विडंबना की बात यह है कि इन घटनाओं की वजह से जिन लोगों की जान जाती है वह ह्दय विदारक तो है ही साथ जिम्मेदारों के रवैये पर प्रश्न चिन्ह भी लगा देता है। सबसे बड़ा सवाल इनमें जो मासूम बच्चे काल के गाल में चले गए,उन मौतों का जिम्मेदार कौन है। दरअसल, दो दिन पहले गुजरात के अहमदाबाद में आग लगने से कई लोग परेशान हो गए थे हालांकि इसमें को हताहत नहीं हुआ था। इससे पहले राजकोट व दिल्ली में भीषण अग्नि कांड में कई लोगों की जलकर मौत हो गई जिसमे ज्यादा संख्या में बच्चे शामिल थे। हालांकि घटना के बाद सरकारों ने जांच की बात कह कर अपने कर्तव्य की इतीश्री कर ली। उधर कोर्ट ने इन मामलो में सरकारों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए फटकार लगाई है।

हालांकि राजकोट के गेम जोन' में आग लगने से 32 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने इसके छह साझेदारों और एक अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उधर राजकोट अग्निकांड पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान गुजरात हाईकोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई. सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा राजकोट गेम ज़ोन अनधिकृत परिसर में था। इसे सरकारी नियमानुसार नियमित करने की मंजूरी मांगी गई थी। अब हमें स्थानीय व्यवस्था और राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है। अदालत ने राजकोट नगर निगम से स्पष्टीकरण मांगा है। राजकोट नगर निगम ने कोर्ट में माना कि हां इस मुद्दे पर हमारी मंजूरी नहीं ली गई। इसपर हाईकोर्ट ने कहा कि क्या आप अंधे हो गए, 4 साल से चल रहा था तो क्या सो गए थे, क्या हम मान लें कि आपने आंखें मूंद लीं? आप और आपके अनुयायी क्या करते हैं? वहीं दिल्ली के विवेक विहार में बीते शनिवार की रात बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में लगी आग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इस हादसे में सात मासूमों की मौत हो गई। हादसे के समय अस्पताल में कुल 12 नवजात भर्ती थे। आग लगने पर पुलिस, दमकल विभाग, अस्पताल स्टाफ व पब्लिक ने किसी तरह अस्पताल की इमारत के पिछले हिस्से में मौजूद खिड़की के रास्ते सभी 12 बच्चों को निकाला। सबसे अधिक संभावना है कि अस्पताल के पास अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं था। हालांकि, पुलिस ने अस्पताल के मालिक नवीन कीची को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ धारा 336 और 304 ए के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोर्ट ने लक्ष्मण रेखा खींच दिखाई राह

जयसिंह रावत

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8 अप्रैल, 2025 को दिया गया निर्णय भारतीय संघीय ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते, उन्हें या तो मंजूरी देनी होगी, असहमति के साथ लौटाना होगा, या राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। यह निर्णय केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपालों के लिए एक स्पष्ट 'लक्ष्मण रेखा' खींच देने जैसा है, जिससे बाहर जाना अब संविधान की आत्मा के विरुद्ध माना जाएगा। तमिलनाडु प्रकरण और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने केवल एक संवैधानिक संकट का समाधान नहीं किया, बल्कि एक बुनियादी सवाल भी खड़ा किया है। लोकतांत्रिक भारत में राज्यपाल की प्रासंगिकता।

राज्यपाल का पद अगर लोकतंत्र के सहायक संरक्षक की भूमिका निभाए, तो वह उपयोगी हो सकता है, लेकिन जब वह केंद्र सरकार का राजनीतिक उपकरण बन जाता है, तब यह पद संविधान की आत्मा के विरुद्ध चला जाता है। आज का युग जन-जागरूकता और जवाबदेही का है। अब समय आ गया है कि हम यह मूल्यांकन करें कि क्या वाकई राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे को मजबूत कर रहा है?? तमिलनाडु में राज्यपाल रवि ने राज्य सरकार द्वारा पारित 12 विधेयकों को महीनों तक रोके रखा, जिनमें से कई को बिना कारण बताए राष्ट्रपति के पास भेज दिया और कुछ को लौटाया भी। उन्होंने सदन के अभिभाषण के दौरान सरकार द्वारा तैयार भाषण को अधूरा पढ़ा और बीच में ही वॉकआउट कर दिया। ये सभी घटनाएं संविधान की भावना और राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ मानी गईं। सुप्रीम कोर्ट ने इन कृत्यों को 'लोकतंत्र की उपेक्षा' बताया और स्पष्ट किया कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह का पालन करना अनिवार्य है। यह कोई पहली घटना नहीं है जब राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव सामने आया हो।

उत्तराखंड में 2016 में बहुमत परीक्षण से पहले राष्ट्रपति शासन लागू कराना, महाराष्ट्र में 2019 में तड़के सरकार बनवाना, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में असंवैधानिक हस्तक्षेप, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में राज्यपालों द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह की उपेक्षा। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि राज्यपाल का पद बार-बार विवादों में रहा है। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे रोमेश भंडारी ने 1998 में कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की अनुशंसा की थी, जिसे बाद में न्यायपालिका ने असंवैधानिक करार दिया। इसी प्रकार, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे रामलाल, जो पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके थे, ने 1984 में एन.टी. रामाराव की निर्वाचित सरकार को हटा दिया और केंद्र के समर्थन से विपक्षी नेता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी। इस निर्णय के खिलाफ जनांदोलन खड़ा हुआ, जिसे अंततः राष्ट्रपति को पलटना पड़ा। राज्यपाल के पद को लेकर संविधान सभा में भी गहन बहस हुई थी। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल केवल 'संवैधानिक प्रमुख' होंगे और वे अपनी व्यक्तिगत राय से नहीं, बल्कि राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे। कुछ सदस्यों ने यह चिंता भी जताई थी कि राज्यपाल कहीं केंद्र सरकार का प्रतिनिधि बनकर राज्यों की स्वायत्तता को बाधित न करे। लेकिन यह माना गया कि अगर पद का उपयोग संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो, तो यह संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को 'नामित प्रमुख' के रूप में देखा था एक ऐसा पद जो केवल सलाहकार भूमिका निभाएगा, और राज्य की चुनी हुई सरकार की सिफारिशों पर ही कार्य करेगा। परन्तु आज की स्थिति देखें, तो साफ प्रतीत होता है कि राज्यपाल कई बार संविधान निर्माताओं की उस भावना से विचलित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट को बार-बार दखल देना पड़ रहा है, जो इस व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है। निःसंदेह, यदि राज्यपाल की भूमिका बार-बार अलोकतांत्रिक साबित होती रहे, तो इसके विकल्पों या इस पद की समाप्ति पर गंभीर विचार जरूरी है ताकि सत्ता नहीं, संविधान सर्वोपरि हो।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 155 कहता है कि राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, लेकिन यह नियुक्ति केंद्र सरकार की सिफारिश पर होती है। इसी कारण राज्यपालों की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यपालों को विधेयकों पर अनिश्चितकाल तक निर्णय टालने से रोका है, जिससे यह बहस फिर तेज हुई है कि क्या यह पद सार्थक है? एक और विकल्प यह हो सकता है कि राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार के बजाय एक स्वतंत्र, बहुपक्षीय समिति करे। जिसमें सुप्रीम कोर्ट, राज्यसभा व लोकसभा के प्रतिनिधि और संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री की भी भूमिका हो।

अंतरिक्ष प्रवास तेज करता है बुढ़ापे की प्रक्रिया

मुकुल व्यास

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर विवशतावश नौ महीने बिताने के बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स सकुशल लौट आए लेकिन धरती पर लौटने पर जब वे अपने क्रू ड्रैगन कैप्सूल से बाहर निकले तो उन्हें व्हीलचेयर पर रखा गया। दोनों अंतरिक्ष यात्री बहुत अच्छी सेहत में नहीं दिखे। आईएसएस पर शून्य-गुरुत्वाकर्षण के वातावरण में रह कर उनकी मांसपेशियां कमजोर हो गईं और उनकी हड्डियों का घनत्व भी कम हो गया जिससे उनके लिए चलना या खड़ा होना भी मुश्किल हो गया। अंतरिक्ष यात्रियों की जोड़ी दुबली-पतली भी दिखाई दी। कुछ पर्यवेक्षकों ने पाया कि पिछले जून में अंतरिक्ष यात्रा पर निकलने के बाद से वे काफी बूढ़े हो गए हैं। वैसे नौ महीने का प्रवास अंतरिक्ष में बिताया गया सबसे लंबा समय नहीं है। यह रिकॉर्ड रूसी अंतरिक्ष यात्री वालेरी पोल्याकोव के नाम है, जिन्होंने 1990 के दशक में मीर अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 महीने बिताए थे।

फिर भी नौ महीने की अवधि उनके शरीर के लिए अंतरिक्ष के चरम वातावरण के सबसे बुरे प्रभावों का अनुभव करने के लिए पर्याप्त थी। अंतरिक्ष की 286-दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को किन-किन शारीरिक परिवर्तनों से गुजरना पड़ा होगा, इसका खुलासा उनके स्वास्थ्य की विस्तृत समीक्षा के बाद ही हो पाएगा। अंतरिक्ष में रहना मनुष्य के लिए सहज नहीं है। अध्ययनों से पता चला है कि अंतरिक्ष में लंबा प्रवास बुढ़ापे की प्रक्रिया को तेज करता है। गुरुत्वाकर्षण की कमी से हृदय और रक्त वाहिकाओं को कम काम करना पड़ता है,जिससे उनमें कमजोरी आ जाती है। अंतरिक्ष यात्रियों को सामान्य से ज्यादा तेज गति से हड्डियों के घनत्व में कमी, मांसपेशियों में क्षय और कोशिकीय परिवर्तन का भी अनुभव होता है। हड्डियों का घनत्व हर महीने 1-2 प्रतिशत तक कम हो जाता है, जिससे पृथ्वी पर लौटने पर ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ जाता है।

इन स्थितियों से निपटने में अंतरिक्ष यात्रियों की मदद करने के लिए आईएसएस विशेष ट्रेडमिल और व्यायाम बाइक से लैस है। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बलों की नकल करने के लिए खास तौर से डिजाइन किए गए रजिस्टेंस बैंड (व्यायाम उपकरण) भी हैं। ब्रह्मांडीय विकिरण के संपर्क में आने से डीएनए की क्षति के साथ 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' भी हो सकता है, जिससे आणविक स्तर पर समय से पहले बुढ़ापा आ सकता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस दरअसल पोषक तत्वों और अस्थिर अणुओं का असंतुलन है जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा कर रोग उत्पन्न करता है। गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में शारीरिक द्रव भी सिर की ओर शिफ्ट हो जाता है, जिससे दृष्टि संबंधी तंत्रिका में सूजन और रेटिना में सिलवटें आ जाती हैं। आंख का पिछला हिस्सा चपटा हो जाता है और मस्तिष्क में सूजन आ जाती है। इससे स्पेसफ्लाइट-एसोसिएटेड न्यूरो-ऑकुलर सिंड्रोम नामक बीमारी के कारण दृष्टि बाधित हो सकती है। पृथ्वी पर लौटने के बाद मस्तिष्क और आंखों पर दबाव सामान्य स्तर पर वापस आ जाता है, हालांकि इससे होने वाली क्षति कभी-कभी स्थायी हो सकती है।

दृष्टि क्षति लंबी अंतरिक्ष यात्रा के सबसे बड़े दुष्प्रभावों में से एक है। सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और विकिरण भी श्वेत रक्त कोशिका उत्पादन को बदल सकते हैं, जिससे शरीर की वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। हर्पीज और चिकनपॉक्स जैसे निष्क्रिय वायरस, आईएसएस पर प्रवास के दौरान तनाव और इम्यून सिस्टम के दमन के कारण फिर से सक्रिय हो सकते हैं। आईएसएस पर जाने से पहले अंतरिक्ष यात्रियों को क्वारंटीन अवधि से गुजरना पड़ता है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर बहुत कम रोगाणु या वायरस हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि अंतरिक्ष स्टेशन बहुत ज्यादा साफ हो सकता है। इसमें रोगाणुओं की कमी के कारण इम्यूनिटी संबंधी समस्याएं, त्वचा संबंधी विकार और अन्य स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। आईएसएस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्री इस समय 45-दिवसीय रिकंडीशनिंग प्रोग्राम से गुजर रहे हैं जिसमें मांसपेशियों के क्षय को ठीक करने के लिए फिजियोथेरैपी शामिल है। वहीं नासा का कहना है कि अंतरिक्ष यात्रियों के दल पहले भी अंतरिक्ष में लंबे समय तक रह चुके हैं और धरती पर वापसी के बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की परफॉर्मेंस स्थापित मानदंडों के अनुरूप होने की उम्मीद है।

पुनर्वास के पहले कुछ दिनों में अंतरिक्ष यात्रियों को चक्कर आएगा क्योंकि उनके शरीर को सीधा रहने के लिए संतुलन बनाए रखने की आदत होगी। कुछ महीनों के भीतर उनकी मांसपेशियों का द्रव्यमान वापस आ जाना चाहिए, जबकि हड्डियों का घनत्व कुछ वर्षों के बाद सामान्य स्तर पर वापस आएगा। उनके शरीर में कुछ परिवर्तनों, जैसे कि दृष्टि दोष, को ठीक करना कठिन हो सकता है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभावों का अध्ययन भविष्य के मानव मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है। ध्यान रहे कि मंगल की एक तरफ़ की यात्रा में लगभग नौ महीने लगते हैं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल जून में 8 दिन के लिए अंतरिक्ष स्टेशन पर गए थे लेकिन उनको वहां नौ महीने बिताने पड़ गए क्योंकि उनको वापस लाने वाले बोइंग स्टार लाइनर में खराबी आ गई और किसी न किसी वजह उनकी वापसी टलती गई। लंबे समय तक रहने के बावजूद, विल्मोर और विलियम्स आईएसएस पर सक्रिय रहे। उन्होंने माइक्रोग्रैविटी रिसर्च और स्टेशन के रखरखाव में अपना काम जारी रखा।

कच्चे दूध से करें फेशियल

अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि चेहरे पर दूध सा निखार आ जाए तो क्या ही बात है। पर, दूध सा निखार पाने के लिए लोगों को महंगे-महंगे ट्रीटमेंट कराने पड़ते हैं। इन ट्रीटमेंट्स के लिए कई बार हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। पर, यदि आप उन महिलाओं में से हैं, जिन्हें स्किन केयर पर ज्यादा पैसे खर्च करना नहीं पसंद तो आप घर पर ही दूध से इस्तेमाल से दमकती त्वचा पा सकती हैं। दूध शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और विटामिन ए आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसको पीने से हड्डियां मजबूत होने के साथ शरीर की कमजोरी भी दूर होती है। लेकिन यह स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। कच्चे दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन की समस्याओं को आसानी से दूर करता है। आप कई तरह से चेहरे पर दूध इस्तेमाल कर सकते हैं, चेहरे पर दूध इस्तेमाल करते समय आपको कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए, ताकि किसी तरह की एलर्जी की संभावना न रहे।

चेहरे पर आएगा निखार

कच्चा दूध और हल्दी

कच्चा दूध और हल्दी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होती है। चेहरे पर इसके इस्तेमाल से पिंपल्स दूर होने का साथ दाग-धब्बे भी कम होते हैं। कच्चा दूध और हल्दी को चेहरे पर लगाने के लिए 2 से 3 चम्मच कच्चा दूध लें। अब उसमें एक चुटकी हल्दी को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब इसे कॉटन की सहायता से चेहरे पर 5 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये मिश्रण नियमित लगाने से झुर्रियों की समस्या भी दूर होगी।

कच्चा दूध और मुल्तानी मिट्टी

कच्चा दूध और मुल्तानी मिट्टी चेहरे पर लगाने के लिए 2 चम्मच दूध में 1/2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट से चेहरे की 5 मिनट तक मसाज करें। फिर इसे 10 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये मिश्रण टैनिंग को दूर करने के साथ झुर्रियों, दाग-धब्बे और मुहांसों की समस्या को कम करने में मदद करेगा।

कच्चा दूध और बेसन

कच्चा दूध और बेसन चेहरे पर लगाने के लिए 2 से 3 चम्मच दूध को 1/2 चम्मच बेसन को मिलाकर मिश्रण को तैयार करें। अब इस मिश्रण से 2 मिनट कर चेहरे की मसाज करें। इस मिश्रण को चेहरे पर 5 मिनट के लिए लगा रहने दें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये मिश्रण ब्लैकहेड्स को हटाने के साथ त्वचा की रंगत में सुधार भी करेगा।

टैनिंग ऐसे हटाएं

यदि आपके चेहरे पर काफी ज्यादा टैनिंग हो गई है तो भी आप कच्चे दूध के इस्तेमाल से टैनिंग हटा सकते हैं। इसके लिए 2 चम्मच कच्चे दूध में 1 चम्मच बेसन या चंदन पाउडर मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें।

कच्चा दूध और शहद

कच्चा दूध और शहद स्किन को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसको चेहरे पर लगाने से स्किन ग्लोइंग भी बनती है। कच्चा दूध और शहद को चेहरे पर लगाने के लिए 3 से 4 चम्मच दूध लें। उसमें एक चम्मद शहद को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें और 5 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

हंसना मना है

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

एक नेता मित्र से कह रहे थे-'कल जब मैं भाषण दे रहा था तो एक आदमी मेरी नकल कर रहा था। मित्र बोला- 'तुम्हें उसे मना कर देना था कि बेवकूफ-पागलों की तरह मुंह न चलाए।

पत्नी ने पति से प्रेम जताते हुए कहा-'जब आपको ज्ञात है कि मुझे गैस तक जलानी नहीं आती तो आपने ये क्यों कहा कि मैं भोजन बहुत बढ़िया बनाती हूं। 'आखिर शादी करने की वजह तो बतानी ही थी।

सैनिकों की पत्नियां खुद पतियों की बहादुरी का बखान कर रही थीं। एक बोली-'मेरे पति ने हाल ही के युद्ध में बहुत बहादुरी का परिचय दिया था, उन्होंने एक दुश्मन की टांग काट ली थी।' 'पर टांग क्यों? सिर क्यों नहीं?' दूसरी महिला ने पूछा। 'उसका सिर तो पहले से कटा हुआ था।'

कहानी | कछुआ और खरगोश

एक वक्त की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता, वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वो हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरे का मजाक भी उड़ाता। एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने खरगोश की चुनौती मान ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया। जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई और खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुंचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहां तक पहुंचने में काफी वक्त लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए। यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा। पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आंख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुंच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियां बजानी शुरू कर दी। तालियों की आवाज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वो दौड़कर जीत की रेखा तक पहुंचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था और खरगोश पछताता रह गया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यही सीख मिलती है कि जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी न कभी टूटता जरूर है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। भाइयों से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या

सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। लाभ लें।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। प्रमाद न करें।

मीन

कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

फिल्म कोस्टाओ में कस्टम अधिकारी की भूमिका निभायेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की नई फिल्म का एलान हो चुका है। वे बायोपिक में नजर आएंगे। फिल्म का नाम है कोस्टाओ। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 ने फिल्म का एलान किया है। नवाज फिल्म में कस्टम ऑफिसर कोस्टाओ फर्नांडीज की भूमिका निभाएंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान सेजल शाह ने संभाली है।

सेजल शाह द्वारा निर्देशित इस फिल्म को विनोद भानुशाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। कोस्टाओ क्राइम ड्रामा फिल्म है, जो गोवा के सबसे बड़े तस्कर से लोहा लेने वाले जांबाज कस्टम अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीज के जीवन से प्रेरित है। यह साहस से भरी हुई एक क्राइम ड्रॉमा फिल्म है।

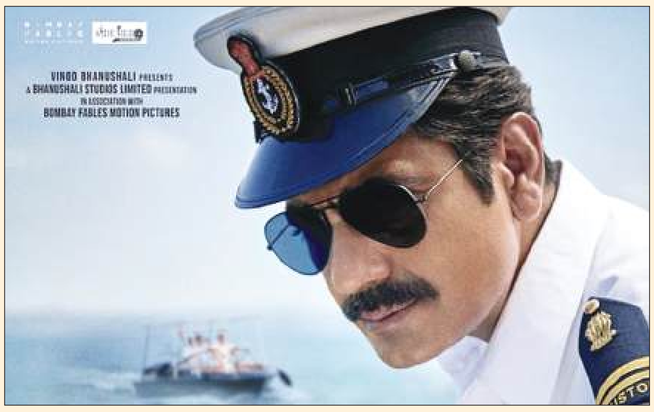

अपने समुद्री तट और खूबसूरती के लिए मशहूर गोवा में करीब तीन दशक पहले एक काला पक्ष उजागर हुआ था। तस्करी का पर्दाफाश हुआ था और यह किया था सीमा शुल्क अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीज ने, जिनका किरदार एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी फिल्म कोस्टाओ में निभाने वाले हैं। यह फिल्म जी-5 पर रिलीज होगी। कोस्टाओ फर्नांडीज ने 1990 के दशक में अपने साहसी मिशन के जरिए भारत में सोने की तस्करी के सबसे बड़े प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। इसमें एक्शन का डोज भी दर्शकों को मिलेगा। इसमें कोस्टाओ फर्नांडीज के जीवन में सामने आई रोमांचक और नाटकीय घटनाओं को दिखाया जाएगा। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर तस्करी के कई प्रयासों को रोका था।

मात्र दो दिन में 'जाट' ने कर डाली सात करोड़ की कमाई

सनी देओल की 'जाट' काफी चर्चा के बाद इस गुरुवार यानी 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हुई और इसी के साथ इसकी अच्छी शुरुआत भी हुई। इतना ही नहीं इसने साल 2025 की चौथी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। चलिए यहां जानते हैं 'जाट' ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है?

साल 2023 में गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटने के बाद सनी देओल एक्शन मसाला फिल्म 'जाट' के साथ सिनेमाघरों में पहुंचे हैं। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से ही इसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था और सिनेमाघरों में दस्तक देते ही इसे दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म में सनी के एक्शन अवतार से लेकर रणदीप हुड्डा के खूंखार विलेन के किरदार की खूब तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर तो 'जाट' छाई हुई है इसी के साथ इस फिल्म की ओपनिंग अच्छी हुई। लेकिन दूसरे दिन 'जाट' की कमाई घट भी गई। दरअसल वीकडेज होने के चलते फिल्म का कलेक्शन गिरा है जो मामूली बात है। फिल्म के भारत में कलेक्शन की बात करें तो 'जाट' ने रिलीज के पहले दिन 9.5 करोड़ की कमाई की थी।

वहीं अब फिल्म की रिलीज के दूसरे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'जाट' ने रिलीज के दूसरे दिन 7 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ 'जाट' की दो दिनों की कुल कमाई अब 16.50 करोड़ रुपये हो गई है।

'जाट' को ओपनिंग डे पर महावीर जयंती की छुट्टी होने का फायदा मिला था। हालांकि शुक्रवार को वर्किंग डे होने की वजह से इसकी कमाई पर असर पड़ा और इसमें गिरावट दर्ज की गई। लेकिन मेकर्स को उम्मीद है कि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में जबरदस्त तेजी आएगी। वही सोमवार को अंबेडकर जयंती की छुट्टी का भी 'जाट' को फायदा मिलेगा। ऐसे में उम्मीद है कि 'जाट' ओपनिंग वीकेंड में 40 से 50 करोड़ का कलेक्शन कर अपना आधा बजट तो वसूल कर ही लेगी। बता दें कि ये फिल्म 100 करोड़ की लागत में बनी है। वहीं अगर सिंगल स्क्रीन के अलावा मेट्रो मल्टीप्लेक्स ऑडियंस ने भी इस फिल्म पर प्यार बसरा दिया तो सनी देओल की गदर 2 के बाद जाट भी कई रिकॉर्ड अपने नाम करने के साथ छप्परफाड़ कमाई कर लेगी।

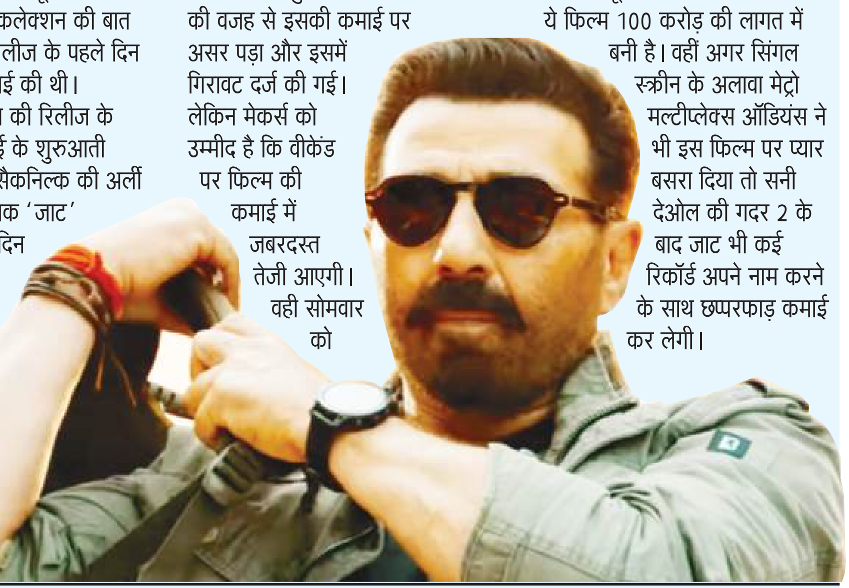

बॉलीवुड | मन की बात

चाहत खन्ना ने सुनाया छेड़छाड़ की घटना का खौफनाक किस्सा

चाहत खन्ना ने टीवी के पॉपुलर सीरियल रहे बड़े अच्छे लगते हैं और कबूल है से फेम हासिल किया था। वहीं एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सालों पहले अपने साथ हुई छेड़छाड़ की खौफनाक घटना का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि घटना 10-11 साल पहले हुई थी जब वह अपनी बहन के साथ कार में थी। चाहत खन्ना ने बताया कि जब यह घटना हुई, तब वह अपनी दो बहनों के साथ गाड़ी चला रही थी। उन्होंने देखा कि बाइक सवार दो लोग उनका पीछा कर रहे थे और गलत कमेंट भी कर रहे थे। उस समय, कार की खिड़कियां खुली हुई थीं, और चाहत ने साफ-साफ उन लोगों को उनकी लोकल भाषा में वल्गर कमेंट करते हुए सुना था। चाहत खन्ना ने कहा, फिर वो हमारे साथ-साथ चलने लगे, रास्ता काट रहे थे बार-बार। तब मैंने बोला, यार ये बहुत हो गया, और मैंने गाड़ी उनकी बाइक के आगे रोक दी। बाहर निकली और दोनों को जो मारा मैंने! चाहत ने आगे कहा, उन्हें भी मुझे मारा, और कोई बचाने भी नहीं आया। ये सब 10-11 साल पहले हुआ था जो झगड़ा हुआ था ना, सचमुच WWE जैसा था। मैंने बहुत मारा उन दोनों को एक का दांत भी तोड़ दिया मुक्का मार के। इंटरव्यू में चाहत खन्ना ने अपने बचपन के एक बेहद परेशान करने वाले अनुभव के बारे में भी बताया कि उन्होंने अपनी सोसायटी के एक बुजुर्ग से जुड़ी घटना को याद किया। एक्ट्रेस ने कहा कि अब उन्हें एहसास हुआ है कि जब वह बच्ची थी तो यह तब हुआ जब मैं बहुत छोटी थी। मेरी सोसाइटी में एक अंकल थे वे एक दयालु, प्यारे बंगाली अंकल के रूप में जाने जाते थे। वे मुझे अपनी गोद में बिठाते थे और मुझे चॉकलेट देते थे। उस समय मैं इस बारे में ज़्यादा नहीं सोचती थी। दो साल पहले ही मुझे ये एहसास हुआ कि क्या हुआ था। मैं अपनी बचपन की दोस्त से मिली और उसने मुझे बताया कि कैसे उसने उसी अंकल के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। तभी मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे साथ भी यही करता था। वह थोड़ी बड़ी थी, इसलिए उसे तब सब समझ में आ गया था। लेकिन मुझे नहीं। चाहत खन्ना ने हीरो: भक्ति ही शक्ति है से अपनी टीवी जर्नी शुरू की थी और कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन, काजल और कुबूल है जैसे पॉपुलर शो में काम किया। उन्हें बड़ा ब्रेक बड़े अच्छे लगते हैं में आयशा शर्मा कपूर की भूमिका से मिला, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

14 सौ में खरीदा सिर्फ एक टमाटर महारानी जैसा रखा गया था ख्याल

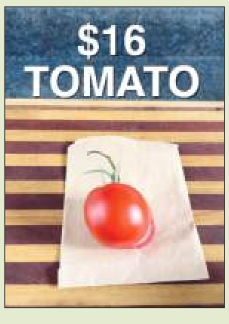

फलों और सब्जियों का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा होता है। तभी तो हेल्थ एक्सपर्ट्स हमेशा सब्जियां और फल खाने की सलाह दते हैं। हर फल और सब्जी की अपनी अलग खासियत होती है। इनमें से कई के सेवन से गंभीर बीमारियां भी ठीक हो जाती है। इसी में से एक जादुई फल है टमाटर। लाल टमाटर कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स से भरपूर है। लेकिन भारत में जहां कभी-कभी टमाटर के भाव सौ पार हो जाने से हंगामा मच जाता है, वहीं विदेश में एक शख्स ने मात्र एक टमाटर के लिए चौदह सौ रुपए चुकाए। जी हां, सही पढ़ा आपने। मात्र एक टमाटर के लिए चौदह सौ दिए गए। ये टमाटर आर्गेनिक था। इसे किसान ने इसे इतना लाड-प्यार दिया था, जितने आपके पेरेंट्स ने भी आपको नहीं दिया होगा। इस कारण इस एक टमाटर की कीमत हजार के ऊपर थी। देखने में लाल, चमकदार इस टमाटर की खूबियां भी लोगों को बताई गई। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हुई इसकी कीमत की। आइये आपको बताते हैं कि आखिर क्यों इस एक टमाटर की प्राइस इतनी ज्यादा रखी गई थी। दरअसल, जहां आज के समय में सब्जियों और फलों में जमकर पेस्टीसाइड का इस्तेमाल किया जाता है वहीं इस टमाटर को पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से उगाया गया था। इसे जेंटल फार्मिंग तकनीक से बड़ा किया गया था। इस तकनीक में बारिश की बूंदों से सब्जियों की सिंचाई की जाती है। साथ ही इसे किसी तरह के आवाज से दूर था। यहां उगाने में किसी ट्रेक्टर का इस्तेमाल नहीं किया गया था। इसकी खुदाई बांस के औजार से की गई थी। टमाटर को हर दिन संगीत सुनाया जाता था और इससे अच्छी अच्छी बातें की जाती थी। साथ ही इसे बेस्ट मिट्टी में उगाया गया था। इन सबके कारण टमाटर की कीमत इतनी ज्यादा थी। इतने महंगे टमाटर की वजह तो शख्स ने सबको बता दी। इसके बाद उसने इसे काटकर लोगों के साथ इसके स्वाद की डिटेल भी शेयर की। टमाटर के लिए भले ही जेब ढीली करनी पड़ी, लेकिन इसका स्वाद काफी जबरदस्त था। प्राकृतिक तरीके से बड़ा होने की वजह से इसमें एक खास मिठास थी जो अब ज्यादातर नहीं होती। शख्स ने आगे कहा कि वो आगे भी एक टमाटर के लिए इतने पैसे खर्च कर सकता है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है बहरों का गांव

इस गांव में आधा से ज्यादा लोग हैं बहरे साइन लैंग्वेज में एक दूसरे से करते हैं बात

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा गांव है, जिसे बहरों का गांव कहा जाता है? उसका कारण ये है कि यहां जितने लोग रहते हैं, उनमें आधे से ज्यादा सुन नहीं सकते। इसके पीछे जो वजह है वो काफी विचित्र है। ये लोगों के पैदा होने से जुड़ी है। जब इसका खुलासा हुआ तो सुनकर लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। ये गांव तुर्की में है। आइए आपको इसके बारे में ज्यादा जानकारी देते हैं। द सन की रिपोर्ट के अनुसार इस गांव का नाम गोकोवा है। यहां पर करीब 120 लोग रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग बहरे हैं। ये लोग साइन लैंग्वेज में एक दूसरे से बातें करते हैं। इनकी इस कंडीशन के पीछे जो वजह बताई जाती है, वो है यहां के लोगों का एक डर्टी सीक्रेट। दरअसल, इस गांव में इनब्रीडिंग होती है, यानी लोग परिवार में ही संबंध स्थापित कर के बच्चे पैदा करते हैं। इस वजह से इन लोगों के जीन्स में बहरेपन की समस्या दशकों से चली आ रही है।

कोई पुख्ता तौर पर इस बहरेपन का कारण नहीं बता पाता। अधिकतर लोग आज भी यही मानते हैं कि आपस में ही संबंध बनाकर बच्चे पैदा करने की वजह से ही लोगों की ऐसी हालत हुई है, मगर कुछ जानकारों का ये भी दावा है कि सदियों से यहां रहने वाले लोग गंदे पानी का सेवन कर रहे हैं, जो इस बहरेपन का कारण हो सकता है। द सन से बात करते हुए यहां रहने वाले एक 48 साल के नागरिक, रहमी सिजिन ने कहा कि गांव में करीब 48 लोग विकलांग हैं और उन्हें मेडकिल केयर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वो भी ये नहीं जानते कि गांव में भाई-बहन के बीच शादी से लोगों का ऐसा हाल हुआ है या फिर गंदे पानी से, पर यहां के लोगों में विकलांगता चरम पर है, जिससे उन्हें छुटकारा चाहिए। रिपोर्ट की मानें तो भारी धातु, जैसे आयरन, आर्सनिक या फिर इंडस्ट्रियल कचरे से निकलने वाले अन्य तरह के केमिकल से बहरापन हो सकता है। यहां के मेयर का कहना है कि ये इंटर-कास्ट मैरेज की वजह से नहीं हो रहा है, पर गंदा पानी ही एक मात्र वजह है। साती तोजुन नाम के एक नागरिक का कहना है कि उसके 4 बच्चे हैं जिन्हें किसी न किसी तरह की शारीरिक समस्या है और उनके 3 बच्चे हैं, वो सभी गूंगे और बहरे हैं। यही नहीं, उसकी भाभी के बच्चों को भी शारीरिक समस्याएं हैं। उनका कहना है कि सरकार, गांव वालों की हालत में ज्यादा रुचि नहीं दिखाती। साइन लैंग्वेज में बात करने की वजह से वो लोग तो आपस में बातें कर लेते हैं, मगर बाहरियों से बात करना काफी मुश्किल होता है।

भाजपा ने की दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था खराब : केजरीवाल

» आप संयोजक बोले- भाजपा पूरे देश में गुजरात मॉडल को लागू करना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए शिक्षा व्यवस्था को खराब करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा पूरे देश में गुजरात मॉडल को लागू करना चाहती है। यह डबल इंजन मॉडल है। भाजपा एक राज्य बताएं जहां उनकी सरकार है और उन्होंने वहां शिक्षा को खराब नहीं किया है।

इससे पहले केजरीवाल ने दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों में फीस वृद्धि के बाद दिल्ली में शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से भाजपा सरकार के तहत माफियाओं के चंगुल में फंस गई है। अभिभावक निजी स्कूलों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के मंत्री सरकारी स्कूल-सरकारी स्कूल का खेल खेलने में व्यस्त हैं। उन्हें समस्या के समाधान के लिए वहां जाना चाहिए। लेकिन वे निजी स्कूल मालिकों से डरते हैं। सरकारें माफियाओं के साथ काम कर रही हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र भी प्राइवेट कंपनियों को दिए जा रहे हैं। यह कंपनियां माफियाओं की तरह काम कर रही हैं। आप देखेंगे कि जहां पर भी स्कूल बंद हुए हैं वहां पर कुछ समय के बाद स्थानीय पार्षद ने स्कूल बना लिया है। हर जगह यही हो रहा है। इसी तरह अस्पतालों में भी नेताओं की पार्टनरशिप है। सरकारें जनता को बेहतर स्कूल और अस्पताल भी नहीं दे सकतीं तो क्या करेंगी। दिल्ली में भाजपा की सरकार आते ही प्राइवेट स्कूलों की फीस 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। हमने प्राइवेट स्कूलों पर सख्ती की ताकि माता पिता पर फीस का बोझ न आए। हम विपक्ष में हर गलत निर्णय का पुरजोर तरीके से विरोध करेंगे। विधानसभा से सड़क तक हर मोर्चे पर जनता की लड़ाई लड़ेंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र भी प्राइवेट कंपनियों को दिए जा रहे

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को नजरअंदाज करना भारी पड़ेगा : सिसोदिया

आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि पार्टी की दिल्ली में हार से हमारा राजनीतिक सफर रुक नहीं गया। पार्टी का पूरा फोकस अभी पंजाब पर है। पंजाब में हमें सकारात्मक परिणाम लाकर दिखाना हैं। भारत की जनता जागरूक हो रही है और भविष्य में वह पूरी तरह से शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषयों पर वोट देगी। वोट प्रतिशत की बात करें तो भाजपा और आप में यह अंतर बहुत कम रहा। हमें सिर्फ दो प्रतिशत वोट कम मिले हैं। हमने दिल्ली में देश के सबसे बेहतर सरकारी स्कूल बनाकर दिए। जनता अब जागरूक हो रही है। किसी भी हार से कोई सफर रुक नहीं जाता। भविष्य में जनता जागरूक होगी और शिक्षा और स्वास्थ्य में बेहतर परिणाम देने वाले नेताओं को ही चुनेगी। हम जल्द वापसी करेंगे और देश की राजनीतिक को भ्रामक मुद्दों से हटाकर जनता से जुड़े मुद्दों पर ले जाएंगे। पार्टी देशभर में जनता को जागरूक करने पर काम करेगी। हम जनता से संवाद का दायरा बढ़ा रहे हैं।

यूपी बीजेपी में रार!

» विधायक और पूर्व सांसद में रस्साकसी
» राजीव गुंबर ने संभाला माइक तो लखन पाल मंच से गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। शहर विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन की घटना से जिले में भाजपा में चल रही खींचतान को फिर पटल पर ला दिया है। शहर विधायक राजीव गुंबर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए जैसे ही माइक संभाला तो पूर्व सांसद राघव लखन पाल कार्यक्रम छोड़कर निकल गए। हालांकि डैमेज कंट्रोल के लिए सभी सम्मेलन की मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य व प्रदेश उपाध्यक्ष कांताकर्दम को गेट तक छोड़ने की दुहाई देने में जुटे हैं, लेकिन मुख्य अतिथि को विदा कर पूर्व सांसद के नहीं लौटने पर तीसरा खेमा चटखारे लेता दिख रहा है। यह पहला मौका नहीं है, जबकि अंदरूनी खेमेबाजी सामने आई हो। बात चाहे भाजपा के जिलाध्यक्ष पद की घोषणा होल्ड पर रखे जाने की हो या महानगर अध्यक्ष पर अपना आदमी बैठाने की मची होड़ की हो।

इतना ही नहीं पिछले दिनों जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल बिजेंद्र कश्यप ने भी लेन-देन के विवाद को तूल देकर दावेदारी के पत्ते पीटने के लिए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की व्यूहरचना बताई थी।जिलाध्यक्ष पद की कुर्सी पर अपना आदमी बैठाने के लिए भी दो मंत्रियों की रस्साकशी किसी से छिपी नहीं है, जिसमें कुछ विधायक भी पर्दे के पीछे से दोनों को अपना-अपना साथ देने का वादा-दावा कर रहे हैं। हालांकि पार्टी महानगर अध्यक्ष से लेकर पूर्व सांसद और शहर विधायक किसी तरह के मनमुटाव से इन्कार कर सबकुछ ठीक होने का दावा कर रहे हैं। लेकिन, पार्टी सूत्र की मानें तो सबकुछ ठीक नहीं है। महानगर अध्यक्ष बने शीतल बिश्नोई के स्वागत के लिए जनमंच में समारोह तय हुआ था। जारी स्वागत पोस्टर में राज्यमंत्री जसवंत सैनी व कुंवर बृजेश सिंह के अलावा नगर विधायक राजीव गुंबर और महापौर डा. अजय सिंह के फोटो को जगह मिली थी।

लखनऊ के खिलाफ वापसी करना चाहेगी सीएसके

» आज पंत सेना देगी धोनी की टीम को कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार पांच हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे चल रहे महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली सीएसके की टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ वापसी करने के इरादे से उतरेगी। धोनी चोटिल ऋतुराज गायकवाड़ की जगह शेष सीजन में टीम की कमान संभाल रहे हैं। घरेलू मैदान पर स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए बल्लेबाजों को फॉर्म हासिल करने के लिए घर से बाहर खेलने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

सीएसके के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी क्रम की कलई खुल गई थी। सीएसके के पास मथीशा पथिराना को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारने का विकल्प रहेगा। सीएसके की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है और ऐसे में वह एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ उतरने पर विचार कर सकता है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और पथिराना उनके सामने चुनौती पेश कर सकते हैं। पथिराना ने पूरन को पांच पारियों में चार बार आउट किया है। लखनऊ के लिए सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श गुजरात टाइटंस के खिलाफ नहीं खेले थे। टॉस के दौरान ऋषभ पंत ने बताया था कि मार्श की बेटी बीमार हैं जिस कारण वह अनुपलब्ध रहे। अभी यह तय नहीं है कि वह सीएसके के खिलाफ वापसी कर पाएंगे या नहीं, लेकिन अगर मार्श टीम में लौटे तो वह हिम्मत सिंह की जगह लेंगे। शीर्ष क्रम में मिचेल मार्श की अनुपस्थिति ने शनिवार को ऋषभ पंत को फॉर्म में चल रहे एडेन मारक्रम के साथ पारी का आगाज करने का मौका दिया। पंत ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया।

मुंबई ने रोका दिल्ली का विजय रथ

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 19वें ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंद में रनआउट हो गए। आईपीएल में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब एक ओवर में तीन रनआउट हुए हैं। इससे पहले 2008 में मुंबई के तीन बल्लेबाज आखिरी ओवर में रनआउट हुए थे। मौजूदा सत्र में यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। इसी के साथ अक्षर पटेल की टीम अंक तालिका में दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं, मुंबई छह मैचों में दूसरी जीत के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पर गुजरात टाइटंस है।

भाजपा विधायक के बेटे पर हो सख्त कार्रवाई

» रात में मंदिर का पट खुलवाने को लेकर पुजारी को पीटने पर दिग्विजय ने की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। इंदौर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला ने काफिले के साथ रात 1 बजे देवास के टेकरी मंदिर पहुंचकर उसे खुलवाने के लिए पुजारी के बेटे को पीटने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। यहां उन्होंने जो भी किया, उसके बाद से उनकी और उनके विधायक पिता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब इस मामले की पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने निंदा की है। इस घटना को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भोपाल-इंदौर हाईवे पर सीहोर में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने इस घटना की निंदा की। सीहोर जिला मुख्यालय पर अल्प प्रवास पर रुके पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि जिस प्रकार आधी रात को देवास में मां चामुंडा मंदिर के पट बंद थे, तब दर्शन करने के लिए भाजपा विधायक के बेटे द्वारा पट खुलवाए गए। मंदिर के मुख्य पुजारी को धमकाया गया। यह निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करता हूं। मांग करता हूं कि पुजारी की एफआईआर पर सख्त कार्रवाई करना चाहिए। वहीं भारत के संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। मध्यप्रदेश के महू, जो बाबासाहेब की जन्मस्थली है, वहां विशेष आयोजन किए गए हैं। इससे पहले सुबह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी व पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भी डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे भी बाबासाहेब की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को नमन करने पहुंचे।

वक्फ बिल का किया विरोध

वक्फ बिल को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं इस बिल का विरोध करता हूं। संविधान में हर धर्म के लोगों को मठों, मंदिरों और अपने धर्मस्थलों की व्यवस्था करने का अधिकार है। मंदिरों में कोई दूसरे धर्म का व्यक्ति शामिल नहीं है। गुरु प्रबंधक समितियों में और गिरिजाघरों की व्यवस्था में भी कोई बाहर का आदमी शामिल नहीं होता। यहां वक्फ में जो इस्लाम को नहीं मानते उनको क्यों रखा जा रहा है।

कांग्रेस नेता बाजवा पर केस

» नोटिस के बावजूद प्रताप बाजवा नहीं पहुंचे मोहाली थाने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मोहाली साइबर क्राइम थाने में उनके दिए बयान को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। मोहाली के पुलिस अधीक्षक ने बाजवा को पेश होने का नोटिस जारी किया था लेकिन समन मिलने के बाद भी बाजवा पुलिस के सामने पेश नहीं हुए। जानकारी के अनुसार उनके वकील ने पेश होने के लिए कल दो बजे का समय मांगा है। इस बीच कांग्रेस ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के विरोध में प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है।

मंगलवार को सेक्टर-15 कांग्रेस भवन के बाहर पार्टी की तरफ से प्रदर्शन किया जाएगा। बाजवा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि पंजाब में 50 ग्रेनेड आए थे, जिनमें से 18 इस्तेमाल हो चुके हैं। 32 अभी बाकी हैं। इसके बाद पंजाब सरकार ने उनकी घेराबंदी शुरू कर दी है। काउंटर इंटेलिजेंस की टीम नेउनके घर जाकर पूछताछ की और बयान का आधार पूछा।

संविधान शिल्पी को नमन

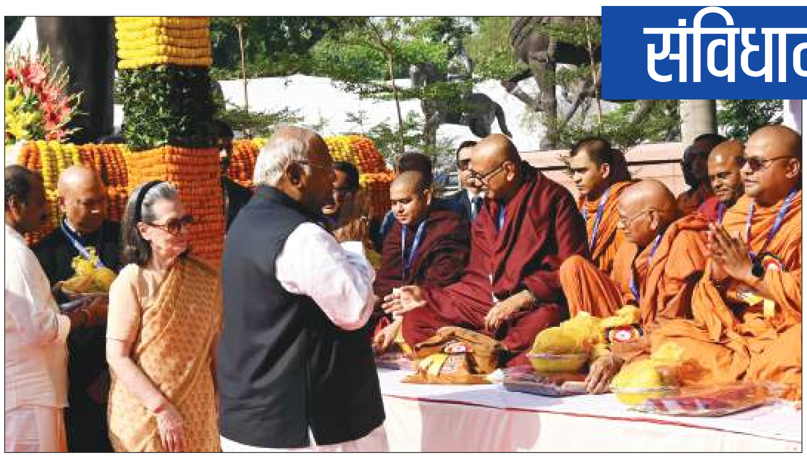

पीएम सिर्फ बातें करते हैं, बाबा साहब के सिद्धांत को कभी नहीं अपनाया : खरगे

» मोदी के आरोप पर कांग्रेस अध्यक्ष का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी के आरोपों पर पलटवार किया है। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ बातें करते हैं। उन्होंने बाबा साहब के सिद्धांत को नहीं अपनाया। पीएम मोदी ने वक्फ कानून पर चर्चा करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था।

बता दें कि हरियाणा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने वक्फ बिल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस मुसमानों की हितैषी है, तो मुसलमान को पार्टी का अध्यक्ष क्यों नहीं बनाती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीयत मुसलमानों के हित की नहीं रही है। वक्फ कानून पर पीएम मोदी बोले कि अब गरीबों की जमीन नहीं लूट पाएंगे। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अगर ठीक से काम हुआ होता तो मुस्लिम युवाओं को पंचर नहीं लगाना पड़ता।

बाबा साहब के संविधान ने ही मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया : टीकाराम जूली

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली रविवार को अजमेर पहुंचे, जहां उन्होंने अंबेडकर चौराहे पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें याद किया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।इस अवसर पर जूली ने कहा कि वे अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले अजमेर पहुंचे हैं और बाबा साहब को नमन करने आए हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश के संविधान में दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के प्रावधान किए। उन्होंने ऐसा संविधान दिया, जो आज दुनिया का सबसे मजबूत संविधान माना जाता है।भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि आज मैं नेता प्रतिपक्ष के रूप में खड़ा हूं, यह बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान की ही देन है। मैं दलित वर्ग से आता हूं और आज जो यह स्थान मुझे मिला है, वह सिर्फ संविधान की ताकत और बाबा साहब की सोच के कारण है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अंबेडकर के विचारों को अपनाएं और सामाजिक समरसता की भावना को आगे बढ़ाएं।

भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा मेहुल चौकसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बेल्जियम में हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चौकसी बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है। भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी 12 अप्रैल को एक अस्पताल में अरेस्ट हुआ है। रिपोर्ट की मान्य तो विमल चौक से की गिरफ्तारी भारतीय जांच एजेंसी के अनुरोध पर की गई है।

एनफोर्समेंट डिपार्मेंट और सीबीआई ने मेहुल चौकसी की प्रत्यर्पण की कोशिश की है। हालांकि कुछ दिनों से उसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। चौकसी को भारत लाने की कोशिश अब जल्द से शुरू होगी। लाल की बचने के लिए मैं हूं चौकसी अभी बेल्जियम की अदालत में कानून सहारा ले सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में कुछ इस समय लग सकता है। जानकारी के मुताबिक सितंबर 2024 में मेहुल चौकसी की प्रत्यर्पण के लिए बेल्जियम से भारत सरकार ने अनुरोध किया था। मेहुल चौकसी की वकीलों ने उसे समय कहा था कि उनकी मूवी वकील की तबीयत ठीक नहीं है और वह ब्लड कैंसर से जूझ रहे हैं। बीमारी के कारण बताकर उसे समय में चौकसी का प्रत्यर्पण नहीं हो सका था। इसके बाद ईडी अधिकारियों ने कोर्ट को बताया था कि भारत में भी मेहुल का इलाज किया जा सकता है। नहीं प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद ही बेल्जियम पुलिस मेहुल चौकसी को गिरफ्तार कर चुकी है।

फिर बिहार में आने वाला है सियासी भूचाल

जीतन राम मांझी ने बढ़ाई एनडीए की परेशानी

» गृहमंत्री अपना वादा पूरा करें : मांझी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक सभा चुनाव के समय जीतन राम मांझी ने सीट बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार पर दवाब डालने की कोशिश की थी। हालांकि उस समय मामला तुरंत शांत हो गया था। लेकिन उसी मुद्दे पर एक बार फिर बिहार में सियासी भूचाल ओ सकता हैं। एनडीए के घटक दल हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा ने एक बार फिर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सीट शेयरिंग के लिए अपनी नाराजगी जाहिर की है। एनडीए के घटक दल हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से हमारी बात हुई थी कि हमारी पार्टी को दो लोकसभा और एक राज्यसभा सीट दी जाएगी, लेकिन हमें सिर्फ एक लोकसभा का सीट दिया गया। जीतन राम मांझी ने कहा है कि बहुत जल्द हम सेना का गठन किया जाएगा। फिलहाल एनडीए के घटक दल हिन्दुस्तानी अवाम

मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एनडीए में हलचल पैदा कर दी है। जनवरी महीने में जहानाबाद के गांधी मैदान में मुसहर-भुईया सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम में हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी राजनीतिक ताकत और एनडीए की उपेक्षा पर खुलकर बोला था। इस दौरान उन्होंने अपनी उपेक्षा को लेकर गहरी नाराजगी जताई थी। अपनी भाषण में जीतन राम मांझी ने कहा था कि एनडीए ने उनकी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को कमजोर समझने की गलती की है। बिहार में मुसहर और भुईया समाज की आबादी को देखते हुए उनकी राजनीतिक ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मुंबई पुलिस के ही व्हाट्सअप पर मिली सलमान को धमकी

» घर में घुस कर मारेंगे, बम से उड़ा देंगे गाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार सलमान खान को मिली धमकी में कहा गया है कि घर में घुस कर मारेंगे, कार को बम लगाकर उड़ा देंगे।

सलमान को ये धमकी मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सअप नंबर पर भेजी गई है।

इस मामले में अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला वर्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज अज्ञात शख्स को खोजना शुरू कर दिया है। ये पहली बार नहीं है कि जब सलमान को इस तरह की धमकी मिली हो इससे पहले भी सलमान को कई बार धमकियां मिल चुकी है।

अंधड़ से लखनऊ में अचानक मौसम हुआ ठंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में आज से मौसम में बदलाव शुरू जो जाएगा। प्रदेश के कई जिलों में आज पारा चालीस डिग्री को पार कर सकता है। इसके पहले पूरे प्रदेश में रविवार को कई जिलों में आंधी और बरसात हुई। दक्षिणी व तराई के लगभग 40 जिलों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को दिन में सोनभद्र, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर, अमेठी, फतेहपुर, सुल्तानपुर, कानपुर, बांदा समेत बुंदेलखंड के इलाकों में हवा संग बूंदाबांदी देखने को मिली। इनमें से ज्यादातर जगहों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से

हवा चली। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से पूर्वी-तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर बाकी प्रदेश में मौसम साफ रहने की उम्मीद है। सोमवार से धीरे-धीरे दोबारा तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सोमवार से तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्से में फिलहाल बूंदाबांदी का दौर थमेगा। 14 से 18 अप्रैल के बीच पारे में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी और गर्मी दोबारा जोर पकड़ेगी।

राजधानी में रविवार को दिन भर उमस भरी गर्मी के बाद शाम में अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और थोड़ी देर बाद हवा में अच्छी-खासी ठंडक घुल गई। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को दिन भर पांच से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं की रफ्तार शाम को अचानक 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक हो गई। साथ ही पारा अचानक आठ डिग्री तक नीचे गिर गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।